clickastro

SERVED OVER 110 MILLION SMILES
SINCE 1984

JUPITER TRANSIT

PREMIUM REPORT

Jupiter
TRANSIT REPORT

Rahul Kumar

देवानांच ऋषीनांच गुरुं कांचन सन्निभम् |
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ||
ॐ ऐं क्लीं हूं बृहस्पतये नमः

भगवान शनि, जो पश्चिम मुखी होते हैं और जिनका श्याम रंग हैं।
वें जो गिद्ध की सवारी करते है और हाथ में त्रिशूल और धनुष बाण धारण करते हैं।
सौराष्ट्र में कश्यप वंश में जन्मे, वे सूर्य के पुत्र हैं और अत्यंत बलवान हैं।
ईश्वर हम सभी का रक्षण करें।

click astro
Prepared using Astro-vision LifeSign Software.
Licensee:Astrovision Futuretech Pvt.Ltd.

Astro-Vision Jupiter Transit Report

नाम	:	Rahul Kumar
लिंग	:	पुरुष
जन्म तिथि	:	1 जनवरी, 1989 रविवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	:	12:05:00 AM Standard Time
समय क्षेत्र (Hrs.Mins)	:	05:30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
जन्म स्थान	:	Chennai Tamil Nadu India
रेखांश & अक्षांश (Deg.Mins)	:	80.16 पूर्व , 13.5 उत्तर
अयनांश	:	चैत्रपक्ष = 23 अंश. 42 मिनिट (कला). 19 सेकंड (विकला).
जन्म नक्षत्र -नक्षत्र पद	:	**हस्त - 4**
जन्म राशी - राशी स्वामी	:	**कन्या - बुध**
लग्न - लग्न स्वामी	:	कन्या - बुध
तिथि	:	नवमी, कृष्णपक्ष

सूर्योदय (घं.मी)	:	06:31 AM Standard Time
सूर्योस्त (घं.मी)	:	05:53 PM
दिनमान (Hrs. Mins)	:	11.22
दिनमान (Nazhika.Vinazhika)	:	28.25
स्थानीय समय	:	Standard Time - 9 Min.
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म तिथि	:	शनिवार
कलि दिन	:	1859061
दशा पद्धति	:	विंशोत्तरी, वर्ष = 365.25 दिन

Astro-Vision Jupiter Transit Report

नक्षत्र स्वामी	:	चंद्र
गण, योनी, पशु	:	देव, स्त्री, भैंस
पक्षी, वृक्ष	:	काग, जंगली आम
चन्द्र अवस्था	:	12 / 12
चन्द्र वेला	:	35 / 36
चन्द्र क्रिया	:	58 / 60
दग्द्ध राशी	:	सिंह,वृश्चिक
करण	:	तैतिल
नित्य योग	:	अतिगंड
सूर्य की राशी - नक्षत्र का स्थान	:	धनु - पूर्वाषाढा
अंगादित्य स्थिति	:	पैर
Zodiac sign (Western System)	:	Capricorn

योग बिंदु - योगी नक्षत्र	:	162:44:0 - हस्त
योगी ग्रह	:	चंद्र
दुय्यम योगी	:	बुध
अवयोगी नक्षत्र - ग्रह	:	ज्येष्ठा- बुध
आत्मकारक (आत्मा)-कारकांश	:	मंगल - कुंभ
अमात्यकारक (मन / ज्ञानशक्ति)	:	शुक्र
अरुद्ध लग्न (पद लग्न)	:	वृषभ
धन अरुद्ध	:	धनु

Astro-Vision Jupiter Transit Report

ग्रहों का निरायन रेखांश

भारतीय फलित ज्यातिष में सभी गणनाएँ और संस्कार सायन पद्धति के अनुसार किये जाते हैं। सायन रेखांश से निरायण रेखांश को घटा कर निरायण मूल्य ज्ञात किया जाता है।

अयनांश की गणना के लिए अलग-अलग आधार रहे हैं। यहाँ चयन की हुई विधि है: चैत्रपक्ष = 23 अंश. 42 मिनिट (कला). 18 सेकंड (विकला).

ग्रह	रेखांश अंश:कला:विकला	राशी	राशी के रेखांश अंश:कला:विकला	नक्षत्र	पद
लग्न	165:36:38	कन्या	15:36:38	हस्त	2
चंद्र	172:47:08	कन्या	22:47:08	हस्त	4
सूर्य	256:36:51	धनु	16:36:51	पूर्वाषाढा	1
बुध	273:18:42	मकर	03:18:42	उत्तराषाढा	2
शुक्र	233:48:24	वृश्चिक	23:48:24	ज्येष्ठा	3
मंगल	356:22:59	मीन	26:22:59	रेवती	3
गुरु	033:02:11	वृषभ	03:02:11 वक्री	कृत्तिका	2
शनी	251:51:40	धनु	11:51:40	मूल	4
राहु	314:05:41	कुंभ	14:05:41	शततारका	3
केतु	134:05:41	सिंह	14:05:41	पूर्वा	1
गुलिक	161:05:54	कन्या	11:05:54	हस्त	1

राशी

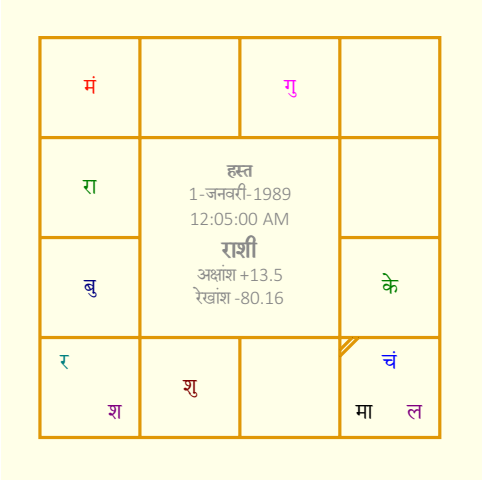

नवांश

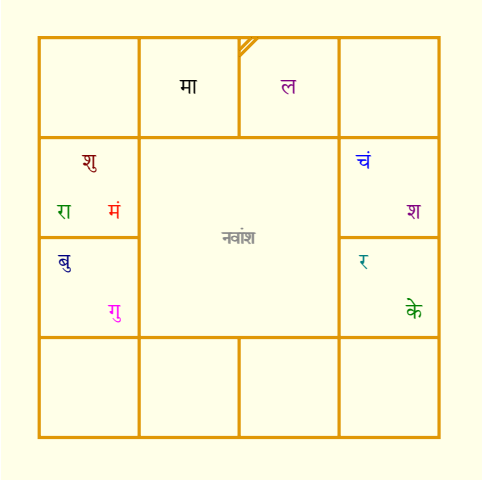

Astro-Vision Jupiter Transit Report

दशा काल का विवरण

(वर्ष = 365.25 वार)

जन्म के समय दशा का भोग्य काल = चंद्र 0 वर्ष, 4 मास, 28 दिन

दशा	आरंभ	अन्त्य
चं	01-01-1989	31-05-1989
मं	31-05-1989	30-05-1996
रा	30-05-1996	31-05-2014
गु	31-05-2014	31-05-2030
श	31-05-2030	31-05-2049
बु	31-05-2049	31-05-2066
के	31-05-2066	31-05-2073
शु	31-05-2073	31-03-2086

सबसे नीचे दी गई रेखा, आपके आयुष्य को बताने वाली रेखा नही है।

अष्टकवर्ग

अष्टकवर्ग भारतीय ज्योतिषशास्त्र में फलित भविष्य कथन की एक सरल विधि हैं, ग्रहों की स्थिति पर आधारित इस विधि में बिंदु या रेखा द्वारा संकेत किया जाता है। अष्टकवर्ग का अर्थ है आठ गुना वर्गीकरण। इसमें राहू-केतु को छोड़कर लग्न सहित बाकि आठ ग्रहों को विचार में लिया जाता हैं। इसमें ग्रहों के शुभ या अशुभ प्रभावों की विवेचना करने के लिए कुछ सटीक स्थापित सिद्धांतो के आधार पर फलकथन किया जाता है। प्रत्येक ग्रह का बल या शक्ति और उनके प्रभाव की तीव्रता अन्य ग्रहों से उनके स्थान की दुरी और उनसे संबंधित लग्न पर निर्भर करती है। प्रत्येक ग्रह को आठ पूर्ण अंक सौंपे जाते हैं। वे तिलिका में निर्दिष्ट अनुसार शून्य से 8 अंक तक बल या शक्ति प्राप्त करते हैं। जिन-जिन राशियों में ग्रह भ्रमण करते हुए जाते हैं, उस राशि को वैसा-वैसा शुभ या अशुभ प्रभाव देते हैं, जिसे गोचर-फल कह सकते हैं।

Astro-Vision Jupiter Transit Report

सर्व अष्टकवर्ग तालिका

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श	कुल
मेष	4	2	5	3	4	4	3	25
वृषभ	6	2	2	4	2	5	2	23
मिथुन	3	6	6	2	5	5	3	30
कर्क	6	4	4	6	3	5	4	32
सिंह	4	3	2	4	1	3	2	19
कन्या	3	5	5	6	5	5	5	34
तुला	3	6	7	4	5	5	5	35
वृश्चिक	5	4	4	6	3	3	3	28
धनु	2	5	7	4	2	5	4	29
मकर	3	4	4	5	1	5	2	24
कुंभ	6	2	3	4	4	5	4	28
मीन	4	5	5	4	4	6	2	30
	49	48	54	52	39	56	39	337

सर्व अष्टकवर्ग चार्ट

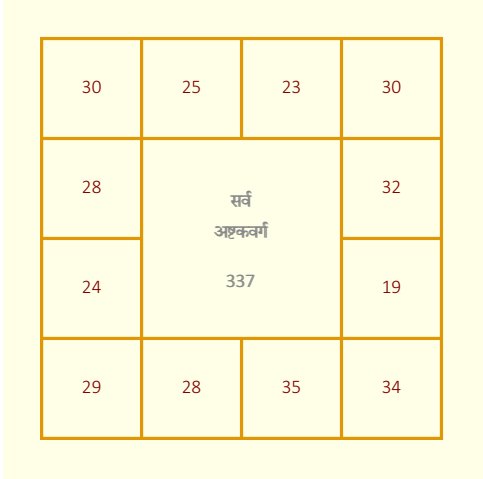

Astro-Vision Jupiter Transit Report

आपके जन्म कुंडली में गुरु का विश्लेषण

आपके जन्म कुंडली में गुरु की स्थिति गोचर में गुरु के परिणाम का विश्लेषण करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यदि गुरु, जातक के जन्म कुंडली में अच्छी तरह स्थित है, तो यह आपके पूरे जीवन के लिए एक सकारात्मक निर्देश है। गोचर के परिणाम, राशि और भाब के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं । गुरु आम तौर पर व्यक्ति को अधिक आध्यात्मिक होने और जीवन के हर पहलू पर एक आशावादी रूप अपनाने में समर्थन करता है।

गुरु आपकी जन्मकुंडली में नौवें भाव में है। इस घर को भाग्य स्थान कहा जाता है। यह अध्यात्म, उच्च शिक्षा, ज्योतिष, विदेशयात्रा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, पितृवत् व्यक्ति, लेखन, प्रकाशन तथा कानूनी प्रणालियों से संबंधित है। यह ग्रह योग आपको उच्च शिक्षा, ज्योतिष, लेखन, संपादन, प्रकाशन तथा विदेशी संबंधों में अधिक रुचि देगा। आप उच्च शिक्षा के लिए विदेश जा सकते हैं। आपके विदेशी संबंध भी रहेंगे। आपके पिता सरकार से जुड़े हो सकते हैं, अथवा ऐसे व्यक्ति होंगे, जो बहुत ज्ञानी और बुद्धिमान हैं। आपको पढ़ाई में भी रुचि रहेगी। आप जीवनभर कुछ न कुछ ज्ञान संपादन करते रहेंगे। आपको एक बहुत जानकार व्यक्ति के रूप में जाना जाएगा। आप अपना स्वयं का उद्यम भी आरंभ कर सकते हैं। आपको प्राचीन धर्मशास्त्र पढ़ना बहुत अच्छा जान पड़ेगा।

आपकी जन्मकुंडली में गुरु वृषभ राशि में है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र प्रेम, विलास और मिलाप का ग्रह है, जबकि गुरु एक प्रकार से शिक्षक है। वृषभ पृथ्वी तत्व की राशि है। गुरु की ऊर्जा आपको आर्थिक मामलों में बहुत रुचि दिलाएगी। आप इसे अपना पेशा भी बना सकते हैं। आप दूसरों को व्यापार, कला, वाणिज्य तथा विलास के विषय में सिखाएंगे। आप अपने ज्ञान का उपयोग धनार्जन में करेंगे। आपको आपके मीठे स्वभाव के कारण लोगों का प्रेम मिलेगा। गुरु और शुक्र एक दूसरे के प्रति उदासीन हैं। वे न एक दूसरे के साथ प्रसन्न होते हैं और न ही उनमे कोई बैर है। गुरु जहां अध्यात्म का कारक हैं तो शुक्र सांसारिक सुख-सुविधा का परिचायक है। आप स्वयं प्रसन्न रहने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग कर सकते है।

गोचर स्थिति

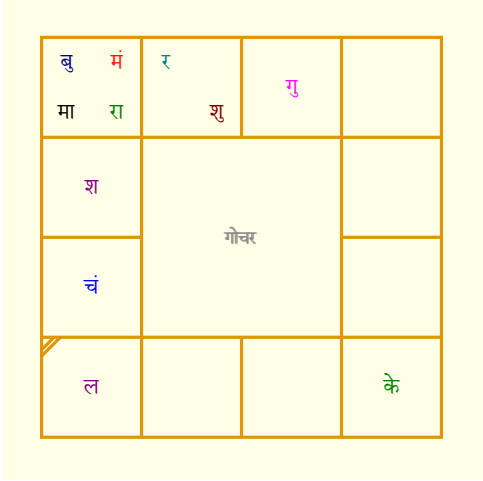

गुरु के गोचर की भविष्यवाणि

गुरु सौरमंडल का पाँचवाँ ग्रह है। यह केवल पांचवां ग्रह नहीं है, यह सबसे बड़ा ग्रह भी है। गोचर में यह एक वर्ष के लिए एक राशि में रहता है। गुरु अधिक स्थिरता और अवसर प्रदान कारक ग्रह है, और इसीलिए गोचर में यह जिस भी भाव में उपस्तिथ रहेगा वह भाव के संबन्धित विषयों में यह स्थिरता प्रदान करेगा। यह एक निरंतर प्रक्रिया होगी। गुरु जिस राशि में उपस्तिथ है, आने वाले एक वर्ष में उस भाव के मामले अगले भाव के लिए नींव होंगे और आप इस पर विचार कर सकते हैं और उसके अनुसार योजना बना सकते हैं। गुरु आध्यात्मिकता का सबसे बड़ा लाभ और अंतिम रूप है। प्रत्येक गोचर आपको ज्ञान, आध्यात्मिकता और दर्शन के महत्व के बारे में जागरूकता लाएगा।

गोचर का पूर्वानुमान जन्म-चार्ट में ग्रहों की वर्तमान स्थिति की तुलना पर आधारित होता है। गुरु का आपके जीवन पर बहुत प्रभाव है। कभी-कभी प्रभाव संघर्षपूर्ण या विनाशकारी हो सकते हैं, लेकिन अंत में यह आपको मजबूत बनाएँगे । इसके प्रभाव का स्पष्ट रूप से कोई संकेत नहीं है, लेकिन आप प्रत्येक विशेष गोचर के प्रभाव का अध्ययन करके काम में गतिशीलता का एक विचार प्राप्त कर सकते है। इसलिए, आपका भविष्य, निम्नलिखित भविष्यवाणियों का एक मिश्रण है।

चंद्रमा से नौवें घर में गुरु

गुरु आपकी लग्न राशि से नौवें भाव में गोचर कर रहा है। नौवें भाव को भाग्य स्थान कहा जाता है। यह भाव अध्यात्म, उच्च शिक्षा, ज्योतिष, विदेशयात्रा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, पितृवत् व्यक्ति, लेखन, प्रकाशन तथा कानूनी व्यवस्थाओं से जुड़ा है। यह गोचर आपके लिए शुभदायी होगा। आपको अधिक सामाजिक मान्यता मिल सकती है। आप किसी क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में हो सकते है। अंतर्राष्ट्रीय अथवा दूर देशा की यात्राओं के लिए एक अच्छा समय है। आप किसी नए पाठ्यक्रम को शुरू करने के बारे में भी सोचेंगे। कामकाज के विकास से सम्बंधित कुछ योजनाएं बना सकते है। आपको निश्चित रूप से अध्यात्म में अधिक रुचि रहेगी। इस भाग्यस्थान में गुरु का भ्रमण आपके भाग्य को चमकाने वाला होगा। कृपया ध्यान रहे कि आप अति आशावादी ना बने, जो आपके आत्मीयजनों के लिए क्लेश का कारण बन सकता हैं। आपकी लेखन में रुचि बढ़ सकती है तथा कुछ प्रकाशन के अवसर भी आपको मिल सकते है। आपके पिता अथवा आपके जीवन में पितृवत् रहे व्यक्तियों के लिए यह अच्छा समय है। आपका ज्ञान बढ़ेगा और लोग आपकी सुनेंगे।

गुरु के भ्रमण का फलकथन करते समय, अष्टकवर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्रत्येक ग्रह एवं लग्न के अष्टकवर्ग बिन्दुओं के कुल योग को सर्वाष्टकवर्ग कहा जाता।

गुरु वृषभ राशि में हैं

सर्वाष्टकवर्ग तालिका में इस राशि में आपको 28 से कम गुण प्राप्त हैं। यह सूचित करता हैं की आपको बहुत सावधान रहना होगा। आपको अभी से अगले वर्ष के लिए सावधानीपूर्वक नियोजन करना है। अगले संचार में आप देखेंगे की आप ने जीवन में बहुत उन्नति कर ली है, इसका अर्थ यह भी हैं की इस समय आपको निर्णय लेते समय बहुत व्यावहारिक होना पड़ेगा। चूँकि गुरु विस्तार और आशावाद का ग्रह है, यही बात आपको तथ्यों के यथार्थ से दूर ले जा सकती है। जब भी आप महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हों तो किसी अनुभवी विशेषज्ञ से परामर्श कर लें।

गुरु की दृष्टि

दृष्टि, यह ज्योतिष शास्त्र में प्रयोग किया जाने वाला तकनीकी शब्द है। इसका अर्थ है अन्य ग्रहों और भावों पर किसी ग्रह का प्रभाव। सभी ग्रह अपनी स्थिति से सातवें भाव पर सीधी दृष्टि डालते हैं। अर्थात, यदि कोई भी ग्रह किसी अन्य ग्रह से सातवें भाव में स्तिथ होता है, तो वे एक दूसरे पर दृष्टी डालते हैं । मंगल, गुरु और शनि सहित अन्य ग्रह सिर्फ सातवें भाव के आलावा एकाधिक घरों को देखते हैं। यदि कोई भी ग्रह किसी अन्य ग्रह से सातवें भाव में स्तिथ है, तो वे एक दूसरे पर परस्पर दृष्टी डालते हैं । गुरु (गुरु) अपने स्तिथि से पांचवे, सातवें और नौवें भाव पर सीधी दृष्टी डालते हैं । जब गुरु अपने लग्न स्थान से किसी भी भाव पर दृष्टी डालते हैं तो, उस घर में गुरु की गुणवत्तापूर्ण वाले अवसर प्राप्त होते हैं।

आपकी चंद्र लग्न कुंडली के प्रथम भाव पर गुरु की दृष्टी हैं

संचार के समय जब गुरु प्रथम स्थान को देखता है तो उस स्थान से संबंधित विषयों के प्रभाव को द्विगुणित करता है। इस भाव के परिक्षेत्र में आने वाले विषय हैं, स्वयं का व्यक्तित्व, महत्वाकांक्षाएं, स्वस्थ्य और सुख। चूँकि, गुरु विस्तार, आशावाद, बुद्धिमत्ता, आध्यात्म, अध्ययन का सूचक ग्रह है, आप देखेंगे की आपके व्यक्तित्व में जबरदस्त बदलाव आ रहे हैं। आपका वजन बढ़ सकता है। और आप बहुत आशावादी बन सकते हैं। आप उच्च शिक्षा के लिए जाने की सोच सकते हैं और आपका झुकाव आध्यात्म और दर्शन की और भी हो सकता है। आपको आहार के प्रति जागरूक रहकर सावधानी से निर्णय लेने होंगे। गुरु की प्रथम भाव पर दृष्टी हो तो व्यक्ति अति आशावादी हो जाता है।

आपकी चंद्र लग्न कुंडली के तृतीय भाव पर गुरु की दृष्टी हैं

जब गुरु तृतीय स्थान को देखता है तो यह उस स्थान से संबंधित विषयों को प्रभावित करता है जैसे भाई बहन, अभ्यास, छोटी यात्राएं, छोटे उद्यम, संचार, संपर्क, और तंत्रज्ञान। यह भाव मानसिक रुझान और स्वविकास से संबंधित है। इस दृष्टी के कारण छोटी यात्राओं की संभावनाएं बढेंगी, जैसे देशांतर्गत यात्राएं। आप अपनी पूरी उर्जा इसमें खर्च करेंगे। भाई बहनों और रिश्तेदारों के बीच परस्पर संबंध दृढ़ होंगे और आपसी विचार विमर्श बढ़ेगा। लेखन और प्रकाशन क्षेत्र में उन्नति के और अधिक प्रकल्प मिलने के भी योग हैं। आप नए इलेक्ट्रोनिक उपकरण खरीदने के बारे में सोचेंगे।

आपकी चंद्र लग्न कुंडली के पंचम भाव पर गुरु की दृष्टी हैं

यह स्थान पूर्व-पुण्य भाव कहलाता है। जब गुरु पंचम स्थान को देखता है तो उस स्थान से संबंधित विषयों पर प्रभाव पड़ता है जैसे रचनात्मकता, आत्मविकास, तेजी मंदी के व्यवसाय, अभिरुचियाँ, और संतति। आप बच्चों से निकटता बनाने का प्रयास करेंगे और उनकी मानसिकता को समझने की कोशिश करेंगे। बच्चों या युवा समूहों के लिए कोई रचनात्मक कार्य हो सकते हैं। आप अपना खुद का कोई उपक्रम शुरू करना चाहेंगे। आप मित्रों में अधिक लोकप्रिय रहेंगे। अव्यवहार्य घटनाओं का अध्ययन करने के लिए अच्छा समय है। मनोरंजन में आपकी रूचि बढ़ेगी। आप अपने दोस्तों के साथ पहले से कही अधिक समय अच्छा व्यतीत करेंगे।

गुरु आपके जन्म लग्न से नौवें स्थान भाब मे

गुरु का आपकी राशि से नवंम स्थान में संचार जारी है। इसे भाग्य स्थान कहते हैं। गुरु के इस भ्रमण के फलस्वरूप लंबी दुरी की यात्रा के संकेत हैं। यह विदेश यात्रा भी हो सकती हैं। गुरु विकास और आशावाद का ग्रह है। गुरु वैदिक ज्योतिष में सर्वश्रेष्ठ शुभ ग्रह कहलाता है। इस गोचर में आप किसी नए विषय पर अध्ययन कर सकते है, दर्शन और आध्यात्म में आपकी रूचि बढ़ सकती हैं। यह शिक्षा लेखन और प्रकाशन की संभावना को भी परिलक्षित करता है। आपको विदेशी संस्कृति से घुलने मिलने के अवसर मिल सकते हैं। तीर्थयात्रा के भी योग हैं। आप नए विषय सीखने और सीखी हुई चीजों को सिखाने में रूचि लेंगे। अपने ज्ञान को बांटने या साझा करने के अवसर मिलेंगे। इससे आपको और पहचान हासिल होगी।

गुरु आपकी कुंडली में जिस भाव में स्तिथ है उसी भाव से भ्रमणशील है। यह आपको अति आत्मविश्वास और आशावाद दे सकता हैं। कृपया सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएं यथार्थवादी हैं। आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि अति आत्मविश्वासी न रखें अन्यथा, यह आपको परेशानी में डाल सकता हैं। कोई भी जोखिम भरा निर्णय लेने के लिए यह अच्छा समय नहीं है। आपको मिलने वाले अवसरों की पहचान करनी होगी और उनके कार्यान्वित करने में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने होंगे। आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के किसी प्रकार की नई शुरुआत हो सकती है। आप किसी लंबी दुरी की यात्रा के लिए जा सकते हैं। आप देखेंगे नए लोगों से आपके संपर्क ज्यादा हो रहें हैं। लोग आपको एक दार्शनिक और अध्यात्म में रूचि रखने वाले व्यक्ति के रूप में जानेंगे।

गुरु का यह संचार आपके लिए अनेकों प्रकारे से शुभ होगा। आप अपने पंख फैला कर नए क्षितिज और आयामों को छू सकते हैं। कई साहसी कदम उठाकर आप सफल होंगे। आप जीवन को आध्यात्मिक दृष्टी से देखेंगे, अगला संचार आपके पिछले संचार के समय के प्रयासों और कार्यों का विकास करेगा। आप अगले संचार के लिए खोजबीन और नियोजन करके आराम से बैठ कर अपने किये हुए श्रम का फल प्राप्त कर सकेंगे। इसे एक मार्ग अवरोध या विश्रांति की तरह समझे और निश्चिंत रहें।

गुरु विभिन्न कक्षा के माध्यम से गोचर करता है

संपूर्ण राशि चक्र 360 डिग्री का एक पूर्णता चक्र है। यह बारा राशोंमें विभाजित है और वे 30 डिग्री लंबे होते हैं। इन 30 डिग्री को 8 भागों में विभाजित किया जाता है, और इसे कक्षा कहा जाता है। इन 8 भागों पर 7 ग्रहों और लग्न का शासन माना जाता है। विभाजन सबसे धीमे ग्रह से सबसे तेजी से शुरू होता है। इस क्रम में, शनि पहले स्थान पर आता है क्योंकि यह सभी ग्रहों में सबसे धीमा है। इसके बाद गुरु, मंगल, सूर्य, शुक्र, बुध और चंद्रमा आते हैं। उसके बाद, लग्ना के लिए कक्षा शुरू होता है। मुख्य रूप से गोचर के लिए कैसे गोचर का परिणाम होगा, इसके लिए मुख्य रूप से गोचर के लिए कक्षा अवधारणा का उपयोग किया जाता है। प्रत्येक ग्रह प्रत्येक कक्षा में शक्ति प्राप्त करेगा। प्रत्येक ग्रह के लिए बिनाशतकवर्ग में अर्जित अंक के अनुसार गोचर में ग्रह लाभ या ताकत की गणना की जाती है।

गुरु प्रथम कक्षा से गोचर कर रहा है

from : 01-May-2024 to : 17-May-2024

शनि की कक्षा में हो रहा गुरु का गोचर लाभकारक होगा, क्योंकि इस कक्षा में गुरु को पर्याप्त बल प्राप्त है। यह गोचर आपके लिए चुनौतियों और अवसरों का एक अनूठा मिश्रण लेकर आएगा। आप अपने जीवन आयु के उस प्रमुख दौर से गुज़र रहे हैं जहाँ आपको स्वयं की योग्यता को सिद्ध करना है। पारिवारिक संदर्भ में, यह अवधि परिजनों से संबंधों की प्रगाढ़ समझ को बढ़ावा देगी और संबंधों में समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। चुनौतियाँ आएंगी, परंतु वे परिवार इकाई में व्यक्तिगत और सामूहिक विकास के अवसर भी प्रदान करती हैं। कामकाज के विषय में, भ्रमण अवधि धैर्यवान और अनुशासित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है, जिससे दीर्घकालिक सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। यद्यपि व्यावसायिक प्रगति में देरी हो सकती है, साथ ही यह अवधि मूल्यवान सबक और कौशल विकास प्रदान करेगी। फलस्वरूप, यह आपके व्यक्तित्व को लचीला और सशक्त करती है। विलंब संभवतः व्यक्ति के धैर्य की परीक्षा ले सकते है, लेकिन वे लक्ष्यों और रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने का मौका भी प्रदान करते है, जिससे अंततः अधिक स्थिर और स्थायी परिणाम मिलते हैं। इस अवधि के दौरान स्वास्थ्य के प्रति सचेत निर्णय, सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं, जिसमें कल्याण और स्वयं की देखभाल पर ध्यान देना प्राथमिकता बनता है। गुरु का प्रभाव आपको स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा, जो जीवन शक्ति और समग्र कल्याण में वृद्धि में योगदान देगा। इस अवधि को शांति से पार करने की कुंजी सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने और यह समझने में निहित है कि चुनौतियाँ आपके व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

गुरु द्वितीय कक्षा से गोचर कर रहा है

from : 17-May-2024 to : 02-Jun-2024

चूँकि गुरु स्वकक्षा में गोचर करेगा, इसलिए यह एक सकारात्मक और शुभाशुभ गोचर होगा। आप स्थिर वित्तीय वृद्धि और धन में स्थिरता की अवधि की अपेक्षा कर सकते हैं। आपके विवेकपूर्ण वित्तीय निर्णयों और निवेशों से सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है, जो आपके धनार्जन के समग्र सुधार में योगदान देगा। अपनी शिक्षा में, आपको नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और बौद्धिक स्पष्टता की भावना आएगी, जिससे यह शैक्षणिक विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करने और रुचि के नए क्षेत्रों का पता लगाने का एक उपयुक्त समय बनेगा। इस परिवर्तन के दौरान पारिवारिक रिश्ते प्रगाढ़ होंगे, सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ावा मिलेगा और परिवार में सहयोगी माहौल बनेगा। कामकाज की संभावनाएं आशाजनक होगी, और आपको उन्नति और मान्यता के नए अवसर मिल सकते हैं। इस गोचर अवधि में आप सुस्वादु व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे, लेकिन ध्यान रखें कि आप अधिकता न करें। यह गोचर आपके लिए अंशकालिक परियोजनाएँ लेकर आएगा, जिससे धनार्जन में वृद्धि होगी। कुछ पारिवारिक समारोह होंगे, जो सुखद घटना होगी। यह गोचर कुछ नई परियोजनाएं के भी अवसर प्रदान करेगा।

गुरु तृतीय कक्षा से गोचर कर रहा है

from : 02-Jun-2024 to : 18-Jun-2024

मंगल के कक्षा से गुरु का गोचर चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि इस कक्षा में गुरु को पर्याप्त बल नहीं मिल रहा है। मंगल शारीरिक शक्ति का संकेतक है, इसलिए छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याएं होने की कुछ आशंका हैं। कामकाज से जुड़ी गतिविधियां जटिल हो सकती हैं, क्योंकि आपको नई अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करने और समझने में कठिनाई हो सकती है, जिससे कार्यप्रदर्शन में अस्थायी गिरावट आ सकती है। मंगल तर्क-वितर्क का संकेत देता है, इसलिए जब गुरु मंगल के कक्षा में भ्रमण करेगा, तो आपके संचार में आक्रामकता होगी। कृपया सुनिश्चित करें कि आप अपनी वाणी पर नियंत्रण रखते हैं; अन्यथा, आपके परिवार के साथ कुछ बहस होगी। कुछ अचल संपत्ति सौदों की संभावना है, लेकिन सुनिश्चित करें कि आप जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। मंगल ऋण का भी संकेत देता है, अत: आप पर वित्तीय देनदारियाँ रहेंगी। कृपया किसी भी प्रकार की गलत वित्तीय योजना में न पड़ें। हालाँकि, कुछ अन्य कायों के भी अवसर मिलेंगे। आपको व्यवसाय प्रगति के लिए अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता हो सकती है और इस गोचर के दौरान पहचान या उन्नति प्राप्त करना अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

गुरु चतुर्थ कक्षा से गोचर कर रहा है

from : 18-Jun-2024 to : 05-Jul-2024

गुरु का सूर्य के कक्षा से भ्रमण थोड़ा जटिल होगा, क्योंकि इस कक्षा में गुरु को पर्याप्त शक्ति नहीं मिल रही है। इस अवधि के दौरान सूर्य आपके शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, जिससे आपको स्वास्थ्य संबंधी मामलों में सावधान और सचेतन रहने की आवश्यकता होगी। वित्तीय मामलों में अस्थायी मंदी का सामना करना पड़ सकता है, जिससे विवेकपूर्ण बजट और सावधानीपूर्वक वित्तीय योजना बनाने की आवश्यकता होगी। पिता के साथ संबंध में छोटे-मोटे तनाव आ सकते हैं, जो संभवतः दृष्टिकोण या अपेक्षाओं में मतभेद के कारण हो सकते हैं। वयस्क होने के नाते आपके मन में अपनी उपलब्धियों को लेकर बहुत ज्यादा अहंकार रहेगा, लेकिन यदि आपने उस पर नियंत्रण नहीं रखा तो इस गोचर अवधि में आपका सारा अहंकार चकनाचूर हो जाएगा। अहंकारी प्रवृत्ति बढ़ सकती है, जिससे व्यक्तिगत और व्यावसायिक संबंधों में संभावित संघर्ष हो सकता है। इस चरण में सद्भाव बनाए रखने के लिए आत्मविश्वास के साथ विनम्रता को संतुलित करना महत्वपूर्ण हो जाता है। संभवतः परिवार के भीतर गलतफहमी या अनकहे तनाव के कारण परिवार की गतिशीलता में सूक्ष्म व्यवधान का अनुभव हो सकता है। अनावश्यक तनाव से बचने के लिए व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और पारिवारिक दायित्वों के बीच एक उचित संतुलन बनाना अनिवार्य होता है। अगर आप मेहनत नहीं करेंगे तो आपको वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे।

गुरु पांचवे कक्षा से गोचर कर रहा है

from : 05-Jul-2024 to : 24-Jul-2024
from : 03-Jan-2025 to : 08-Mar-2025

शुक्र के कक्षा से होकर गुरु का भ्रमण जटिल होगा, क्योंकि इस कक्षा में गुरु को पर्याप्त बल नहीं मिल रहा है। संसाधनों के प्रबंधन से संबंधित चुनौतियाँ आ सकती हैं, और इस अवधि के दौरान अपने खर्चों को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी जाएगी। आप पाएंगे कि आपकी वित्तीय स्थिरता उतनी सुसंगत नहीं है जितनी आप चाहते हैं, जिससे अनिश्चितता के क्षण आ सकते हैं। कृपया किसी वित्तीय विशेषज्ञ की मदद से बजट बनाने पर ध्यान केंद्रित करें। इसके अतिरिक्त, यह गोचर आपके परिवार के साथ तनावपूर्ण संबंधों को जन्म दे सकता है, जिससे आपके परिवार में सामंजस्य बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता होगी। एक वयस्क होने के नाते, आपको अपनी लव लाइफ को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। विपरीत लिंग के लोगों के साथ कुछ झड़पें होंगी। आपको अपने सौन्दर्य और स्वास्थ्य को लेकर कुछ चिंता हो सकती है। ज़मीन से जुड़े रहना और खुले विचारों वाला रहना महत्वपूर्ण है, जिससे आपकी व्यक्तिगत बातचीत में विकास और समझ को जगह मिलती है। कई बार आपका मन व्यर्थ के उत्पादों पर खर्च करने का करेगा, लेकिन आपको इस पर नियंत्रण रखने की जरूरत है।

गुरु छठे कक्षा से गोचर कर रहा है

from : 24-Jul-2024 to : 15-Aug-2024
from : 04-Dec-2024 to : 03-Jan-2025
from : 08-Mar-2025 to : 05-Apr-2025

बुध के कक्षा से गुरु का गोचर अच्छा रहेगा, क्योंकि इस कक्षा में गुरु को पर्याप्त बल प्राप्त हो रहा है। यह अवधि कौशल बढ़ाने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रस्तुत करती है, जो आपको नए सीखने के अनुभवों को अपनाने और अपने ज्ञान के आधार का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो अंततः व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास में योगदान करती है। भाई-बहन के रिश्ते सकारात्मकता से भरे होते हैं, खुले और सामंजस्यपूर्ण संचार को बढ़ावा देते हैं जो आपके और आपके भाई-बहनों के बीच के बंधन को मजबूत करता है। परिवार की आर्थिक ताकत बढ़ेगी। इस गोचर के दौरान आपका अहंकार आत्मविश्वास और आत्म-आश्वासन से जुड़ा हुआ है, जो आपको सकारात्मक मानसिकता के साथ चुनौतियों से निपटने के लिए सशक्त बनाता है। परिवार के सदस्यों के बीच मेल-मिलाप बढ़ेगा। आपके करियर में, प्रभावी संचार एक प्रमुख संपत्ति बन जाता है, जो आपको बातचीत और सहयोग में सफलता की ओर प्रेरित करता है। वित्तीय निर्णयों में ठोस निर्णय लिया जाता है, जिससे मौद्रिक मामलों में स्थिरता और वृद्धि होती है। इस भ्रमण की ऊर्जा आपको कौशल, लेखन और शिक्षण के लिए नए रास्ते तलाशने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो आपको आपके चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करती है।

गुरु सातवें कक्षा से गोचर कर रहा है

from : 15-Aug-2024 to : 16-Sep-2024
from : 01-Nov-2024 to : 04-Dec-2024
from : 05-Apr-2025 to : 26-Apr-2025

गुरु का चंद्र के कक्षा से भ्रमण आपके लिए शुभ रहेगा, क्योंकि इस कक्षा में गुरु को पर्याप्त मात्रा में बल मिल रहा है। इस अवधि में घर परिवार के मामलों में आनंददायक वातावरण करने पर ध्यान केंद्रित होगा। इस अवधि में, आप संभवतः अपनी माँ के साथ संबंध और गहरा अनुभव करेंगे, और पाएंगे कि उनकी उपस्थिति सुख और भावनात्मक समर्थन का स्रोत है। जब आप शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने में आनंद लेते हैं तो आपका घर शांति का स्वर्ग बन जाता है। अचल संपत्ति सौदे सकारात्मक ऊर्जा लाएंगे, लाभकारी लेनदेन के अवसर पेश होंगे और आपके निवास स्थान और रहन सहन में वृद्धि करेंगे। यह चंद्र भ्रमण आपको व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देते हुए, कौशल बढ़ाने की यात्रा पर जाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। शिक्षा प्रयासों में उत्साह के साथ संलग्न रहें, क्योंकि ब्रह्मांडीय ऊर्जाएं ज्ञान और आत्म-सुधार की आपकी खोज का समर्थन कर रही हैं। वित्तीय मामले अनुकूल रूप से संरेखित हैं, जिससे आप प्रचुरता और सहजता के साथ धन का प्रबंधन कर सकते हैं। यह भ्रमण खर्च और बचत के बीच एक स्वस्थ संतुलन को बढ़ावा देता है, जिससे समग्र वित्तीय कल्याण में योगदान मिलता है। पारिवारिक वातावरण पिछले कुछ दिनों की तुलना में स्वस्थ एवं सकारात्मक रहेगा। मित्रों और परिवार से आपको कुछ उपहार भी मिलेंगे।

गुरु आठवें कक्षा से गोचर कर रहा है

from : 16-Sep-2024 to : 01-Nov-2024
from : 26-Apr-2025 to : 14-May-2025

लग्न के कक्षा से गुरु का गोचर सकारात्मक और फलदायी रहेगा क्योंकि इस कक्षा में गुरु को पर्याप्त बल मिल रहा है। यह आपके जीवन के विभिन्न पहलुओं में सकारात्मक बदलाव और विस्तार का दौर होगा। गुरु की उद्दात्त ऊर्जा आपके स्वास्थ्य और जीवनीशक्ति को बढ़ाती है, जिससे आपके समग्र कल्याण को बढ़ावा मिलता है। नई आहार विहार दिनचर्या या कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाएं, और आप संभवतः उल्लेखनीय सुधार का अनुभव करेंगे। रिश्तों के मामले में यह गोचर आशावाद और उदारता की भावना लाएगा। आप पाएंगे कि आप अपने जीवन में सकारात्मक और सहयोगी व्यक्तियों को आकर्षित कर रहे हैं। वर्तमान संबंध गहरे और प्रगाढ़ होंगे जिससे आप विकास और साझा अनुभवों के नए अवसर खोज पाएंगे। इस दौरान सामने आने वाली संभावनाओं को पुरे विश्वास से अपनाएं, जिससे आप सार्थक संबंध विकसित करेंगे। साथ ही, विपरीत लिंग से सुरक्षित दूरी बनाए रखें तो हित में रहेगा। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में भी अनेकों सामूहिक गतिविधियाँ रहेंगी।

The current jupiter transit through Taurus is from 1st May 2024 to 14th May 2025

END OF REPORT

Why get a horoscope guide from Clickastro.com?

With:

- more than 90 manuscripts referred to
- feedback from over 1,000 astrologers
- close to 3,00,000 hours in development and
- over 3 decades of expert refinements

you are assured the most accurate calculations go into your horoscope always from clickastro.com

Note:

This report is based on the data provided by you and the best possible research suppor we have received so far. We do not assume any responsibility for the accuracy or the effect of any decision that may be taken on the basis of this report.

With best wishes :

Astro-Vision Futuretech Pvt.Ltd.

First Floor, White Tower, Kuthappadi Road, Thammanam P.O - 682032

Version: 1.0.1 Build 13 JT1288491DxEa

Contact Us:

Phone: +91(India) 6366920680

E-mail: support@clickastro.com